

4/1/2018

मध्य उत्तरीय प्रान्त

BRANGUR

प्रान्त - 1 - रामानुज के नाम से

03 Wednesday

माघ वदी १/२-२०७४

भक्ति आन्दोलन का सुवर्ण काल में
रामानुज के नेतृत्व में हुआ।

प्रान्त - 2 - निम्बार्क के नाम से

उत्तर - निम्बार्क दक्षिण में भक्ति आन्दोलन
के प्रमुख प्रवक्ताओं में से एक थे उन्होंने
कुछ भक्ति की मौल्य-शास्त्र का मार्ग
निराया। उनका समुदाय 'संनकु' के नाम
से प्रसिद्ध है।

प्रान्त - 3 - रामानन्द के नाम से

उत्तर - दक्षिण से उत्तर में भक्ति आन्दोलन का
लाने का श्रेय रामानन्द को है।

04 Thursday

माघ वदी ३-२०७४

प्रान्त - 4 - साधवान्चार्य के नाम से

उत्तर - साधवान्चार्य दक्षिण में 15 वीं शताब्दी
में भक्ति आन्दोलन के सबसे बड़े नेतृत्व

प्रान्त - 5 - वल्लभाचार्य के नाम से

उत्तर - वल्लभाचार्य कुछा के उपासक थे
और उन्होंने कुछा भक्ति पर जोर दिया।

प्रान्त - 6 - कवीर के नाम से

उत्तर - कवीर रामानन्द के शिष्य थे वे एक
से विरवाले करने थे और निराकार

जहाँ के उपासक थे  उनके अनुयायी कबीर पंथी कहलाते थे।

Friday 05

प्रश्न-7 - वंगाल में भक्ति आन्दोलन के प्रवर्तक कौन थे?

उत्तर → वंगाल में भक्ति आन्दोलन के प्रवर्तक चैतन्य थे। उन्होंने कृष्णभक्ति पर विशेष जोर दिया।

प्रश्न-8 - महाराष्ट्र में भक्ति आन्दोलन के प्रवर्तक कौन थे?

उत्तर → नामदेव महाराष्ट्र में भक्ति आन्दोलन के प्रवर्तक थे।

प्रश्न-9 - मराठा संत कौन थे?

उत्तर → मराठा संतों में तुकाराम सर्वश्रेष्ठ थे। ये शूद्र थे तथा शिवजी के समकालीन थे।

Saturday 06

प्रश्न-10 - रामदास कौन थे?

माघ बदी 4-2078

उत्तर → रामदास रामानन्द के कारह शिष्यों में से एक थे तथा वे जाति के चमार थे। उनका शिष्यत्व रामदासी के नाम से प्रसिद्ध है।

उत्तर 1

Sunday 07

प्रश्न 11 - महाराष्ट्र के प्रसिद्ध संत कौन थे?

माघ बदी 6-2078

उत्तर → नामदेव महाराष्ट्र के प्रसिद्ध संत थे।